

प्रेषक,

आर०के०मिश्र

अपर सचिव

उत्तराखण्ड शासन

सेवा में,

मुख्य वन संरक्षक

नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन

उत्तराखण्ड, देहरादून

वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक 2³ मार्च, 2009

विषय:- "टी.एच.डी.सी. द्वारा वित्त पोषित योजना" के अन्तर्गत वर्ष 2008-09 में वित्तीय स्वीकृति.

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्रांक-वि.993/35-1-की दिनांक 23 जनवरी, 2009, पत्र सं०-वि.1157/35-27 दिनांक 28 फरवरी, 2009 तथा वन संरक्षक, मजीरकी दृष्टि के पत्र सं०-मैमो/कैम्प दिनांक 16 मार्च, 2009 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वन विभाग की "टी.एच.डी.सी. द्वारा वित्त पोषित" योजना के अन्तर्गत चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 रु० 1,10,00,000/- (रुपये एक करोड़ दस लाख मात्र) की धनराशि व्यय हेतु निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निवेदन पर रस्ते जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहित स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. धनराशि का आहरण / व्यय वास्तविक आवश्यकता अनुसार किसी भी दिनांक पर किया जाय.
2. उक्त स्वीकृत व्यय चालू योजनाओं पर ही किया जाय और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए न किया जाय. विभिन्न मंडों में व्यय से पूर्व वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश सं०-267/XXVII(1)/2008, दिनांक 27 मार्च, 2008, तथा वित्त विभाग के पत्र सं०-326/XXVII(1)/2008, दिनांक 23 अप्रैल, 2008 द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार सक्षम स्तर की अनुमति / यथा स्थिति शासन का अनुमोदन प्राप्त कर ही किया जाय. निर्माण कार्य सम्बन्धी आगमनों पर सक्षम स्तर का अनुमोदन पूर्व में ही प्राप्त कर लिया जाय तथा यथा-आवश्यकता निचमानुसार प्रशासनिक स्वीकृति पृथक से प्राप्त की जाय. बी.एन-1, 17 पर धनराशि व्यय / अनुमति सम्बन्धी सूचनाएँ एवं विवरण समयबद्ध आधार पर शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय. किसी भी शताब्दीय व्यय हेतु उत्तराखण्ड प्रोफ़्यूरेन्ट नियमावली, 2008, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधावन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-पांच भाग-1 (लेखा नियम), वित्तीय हस्तपुस्तिका में अंकित सुसंगत नियमों/प्रतिबन्धों, आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल), सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय.
3. योजना की विभिन्न मंडों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों एवं आदेशों के अनुसार ही किया जाये तथा जहाँ आवश्यकता हो समक्ष स्तर से सहमति/स्वीकृति ली जाय.
4. क्षेत्र की योजना के सापेक्ष आवंटन अपने स्तर से किया जाय तथा धनराशि का आहरण यथा आवश्यकता ही किया जायेगा.
5. मितव्ययता के सम्बन्ध में नियमों का कड़ाई से पालन किया जाय.
6. स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को उपरान्त तक अवश्य उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय.
7. अग्रवृत्त धनराशि बजट मैनुअल के प्राविधानों के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा.
8. टी.एच.डी.सी. से प्रतिपूर्ति स्वरूप प्राप्त की जाने वाली समस्त धनराशि प्रत्येक दशा में इसी वित्तीय वर्ष में प्राप्त कर ली जाय, अग्रेतर धनराशि तत्क्षे अग्रवृत्त की जायेगी जब टी.एच.डी.सी. से प्रतिपूर्ति हेतु प्राप्त होने वाली सम्पूर्ण धनराशि प्राप्त हो चुकी हो.

क्रमशः.....2

2. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्यय अनुदान सं०-27 के लेखा शीर्षक 2406-वार्निकी तथा वन्य जीवन 01-वार्निकी 800-अन्य व्यय 11-टी०एच०डी०सी० सहायित योजना 1101-टी०एच०डी०सी० द्वारा वित्त पोषित योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित तालिका में अंकित विवरणानुसार संगत मदों के जाने डाला जायेगा-

(धनराशि रु० हजार में)

क्र.सं.	नामक मद	मद प्रकार	वर्तमान स्वीकृति
1	24- वृहत निर्माण कार्य	राख सीमा	7631
2	25- लघु निर्माण कार्य	"	1673
3	26-मशीने और सज्जा / उपकरण और संयंत्र	"	140
4	29-अभ्युत्थान	"	1204
5	42-अन्य व्यय	कोषागार	350
	योग		11000

(रु० एक करोड़ दस लाख मात्र)

3. वे आदेश वित्त विभाग की अन्तर्कीय संख्या-249(P)/XXVIII/4/2008, दिनांक 23 मार्च, 2009 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

(आर०के०मिश्र)
अपर सचिव

संख्या-749(1)/X-2-2009, तद्विनाशित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनाएं एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. महालेखाकार(लेखा एवं लेखा परीक्षा), उत्तराखण्ड, ओवरलैप मोटर्स बिल्डिंग, लहरानपुर रोड, मन्मथ, देहरादून।
2. महालेखाकार(आडिट), उत्तराखण्ड, डैमव पैलस, सी-1/105, इन्दिरा नगर, देहरादून।
3. प्रमुख प. संरक्षक, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. वन संरक्षक, भाजीरथी वृत्त, उत्तराखण्ड, मुनिकौरती।
5. सचिव, नियोजन, उत्तराखण्ड शासन।
6. अपर सचिव, वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
7. निजी सचिव, माननीय मुख्य मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
8. निजी सचिव, माननीय वन एवं पर्यावरण मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
9. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
10. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, उत्तराखण्ड।
11. जिलाधिकारी, दिहरी, उत्तराखण्ड।
12. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, देहरादून।
13. सन्बन्धित कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
14. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय, देहरादून।
15. प्रभारी, एन.आई.सी., उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
16. प्रभारी, मीडिया सेन्टर, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
17. गार्ड फाइन (जे)।

आज्ञा से,
(अहमद अली)
अनु सचिव